INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF HUMANITIES AND INTERDISCIPLINARY STUDIES
(Peer-reviewed, Refereed, Indexed & Open Access Journal)
DOI : 03.2021-11278686 ISSN : 2582-8568 IMPACT FACTOR : 5.828 (SJIF 2022)

आत्मनिर्भर बनता भारत
(India becoming Self Reliant)

डॉ. पुष्पेंन्द्र कुमार शर्मा
सहायक प्रोफेसर
विवेकानंद कॉलेज ऑफ एजूकेशन,
अलिगढ (उत्तरप्रदेश, भारत)

DOI No. 03.2021-11278686 **DOI Link ::** https://doi-ds.org/doilink/05.2022-34339728/IRJHIS2205019

प्रस्तावना :

सन २०१४ से पूर्व देश में चल रही संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार ने १० वर्ष तक देश में शासन किया उससे पूर्व भी सरकारें आती गईं और जाती गईं परन्तु किसी ने भी गरीब, कम पढ़ी लिखी या अनपढ़ अधिसंख्य जनसंख्या के बारे में यह विचार तक नही किया कि उस अधिकांश जनसंख्या का बैंक में खाता तक नही है और वह साहूकारों या सूदखोरों के चंगुल में फँसी हुई है।

परन्तु सन २०१४ में केन्द्र में मोदी सरकार आने के पश्चात यह बुनियादी कार्य मोदी सरकार ने किया। जनधन योजना के तहत ४४.२३ करोड़ से अधिक खाते खेले गये जिनमें आज १.५ लाख करोड़ रुपये से अधिक धनराशि जमा है। इस योजना के तहत खाताधारक को २.३० लाख रुपये के लाभ दिये गये हैं, जिनमें बीमा, पेन्शन व वित्तीय सहायता व दुर्घटना बीमा शामिल हैं। इन खाताधारकों को साहूकारों व सूदखोरों के चंगुल से बचाया है, यह बड़ा कदम है।

भारत की सबसे बड़ी पूँजी उसकी युवा जनसंख्या है, लेकिन उसका लाभ तभी लिया जा सकता है जब आवश्यक निवेश किया जाये, उस युवा आबादी को काम में लगाया जाये, इसी के परिप्रेक्ष्य में ३५ वर्ष के लम्बे अन्तराल के पश्चात नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति धरातल पर उतरी है, जिससे इस युवा तरुणाई के सपने साकार हो सकेंगे, केन्द्र सरकार ने कौशल विकास मंत्रालय के नाम से एक नया मंत्रालय भी खोला जिसकी शुरुआत प्रदेशों में भी हो चुकी है, जिसके माध्यम से युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, करोड़ों युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है और अच्छे पूर्व प्रशिक्षित युवा पेशेवर तैयार करने के लिये ७ नये आई. आई.टी., १६ नये ट्रिपल आई.टी. और ७ नये आई.आई.एम. जैसे प्रतिष्ठित संस्थान खोले गये हैं। पहले जहाँ अपना घर एक सपना होता था लेकिन अब करोड़ों लोगों के इस सपने को पी.एम. आवास योजना ने पूर्ण किया है। देश भर में २ करोड़ से अधिक आवासों का निर्माण किया जा चुका है और २०२२ के बजट में केन्द्रीय वित मंत्री निर्मला सीतारमण ने ८० लाख आवासों के लिये ४८००० करोड़ रुपये आवंटित किये हैं। पहले जहाँ गाँवों व छोटे कस्बों में घरेलू महिलाओं को लकड़ी के चूल्हे पर काम करना पड़ता था जिससे निकलने वाले धुँए से महिलायें दमा व अन्य अनेक साँस की बीमारियों से ग्रसित हो जाती थीं, बरसात के दिनों में तो यह और भी कष्टदायक होता था परन्तु प्रधानमंत्री उज्जवला योजना से ९९ प्रतिशत घरों में एल.पी.जी. पहुँची है। १ मई २०१६

को यह योजना प्रारम्भ की गई थी। ग्रामीण घरों में बिजली पहुँचाने के लक्ष्य को ९९.९ प्रतिशत पूर्ण किया गया, मणिपुर के सुदुर गाँवों ने तो आजादी के ७२ वर्ष के पश्चात बल्ब को देखा, यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। किसी भी देश के विकास के लिये आधारभूत संरचना सबसे आवश्यक अंग होता है, उसमें भी सड़क सबसे महत्वपूर्ण है।

आज जिस गति से हाईवे का निर्माण हो रहा है, लगता है हम जल्द ही अमेरिका को पीछे छोड़कर हाईवे के निर्माण में नम्बर एक देश होंगे, देश में अभी ५९९ हाईवे हैं। बीते साल में ही १.३७ लाख कि.मी. राजमार्ग बनाये गये हैं। बजट २०२२–२३ में नेशनल हाईवे का लक्ष्य २५ हजार कि.मी. रखा गया है और २० हजार करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा गया है। देश में ६२ नये एयरपोर्ट संचालित किये गये, अकेले उत्तर प्रदेश में देश के सर्वाधिक ५ अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे है जेवर एयरपोर्ट तो एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट हैं। पी.एम. गति शक्ति योजना से रेलवे की सूरत बदलने वाली है, बजट २०२२ में रेलवे को १,४०,३६७.१३ करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं जो पिछले बजट से २७ प्रतिशत अधिक है और ४०० नई वन्देभारत ट्रेन अगले तीन वर्षों में चलाने की घोषणा की गई है, जो कि एक बहुत बड़ा प्रयास है।

कृषि भारत का मूल आधार है, प्राचीन समय से ही कृषि देश की जनसंख्या का जीविका का आधार रही है, आज भी देश की सर्वाधिक जनसंख्या अपनी आजीविका के लिये कृषि पर ही निर्भर हैं, लेकिन दुर्भाग्य है कि आज खेती की लागत निरन्तर बढ़ती जा रही है और किसानों की आय कम हो रही है। आज G.D.P. में कृषि की हिस्सेदारी घटकर मात्र १६ प्रतिशत रह गई है। सरकार किसानों व कृषि को आत्मनिर्भर बनाने का निरन्तर प्रयास कर रही है। आज कृषिट्रेन के माध्यम से किसान अपनी फसल को देश के किसी भी कोने में बेच सकता है। सरकार किसान सम्मान निधि के माध्यम से २००० रुपये व वर्ष में ६००० रुपये दे रही है। आय को दो गुणा करने का प्रयास किया जा रहा है। नये कृषि कानून बनाये गये लेकिन दुर्भाग्य से वह वापस लेने पड़े, उनसे भी किसानों को अत्यन्त लाभ मिलने वाला था। २०२२ के अन्त तक किसानों की आय को दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। अब तक ११ करोड़ से अधिक किसानों के खाते में १ लाख ६० हजार करोड़ रकम भेजी जा चुकी है। सस्ता और अच्छा इलाज आज सबकी आवश्यकता बन गई है। महंगे अस्पतालों के बिल का वहन करना हर किसी के बस की बात नही है, इसलिये सरकार ने गरीबों के इलाज के लिये आयुष्यमान कार्ड योजना को प्रारम्भ किया जिसके अन्तर्गत ५ लाख तक का इलाज फ्री किया जाता है। देश भर में १८ हजार से अधिक अस्पतालों को इससे जोड़ा गया है। अभी तक ५ करोड़ से अधिक आयुष्यमान कार्ड का वितरण हो चुका हैं। कोविड महामारी के दौरान न हमारे पास मास्क थे और न ही पी.पी.ई. किट, लेकिन आज भारत इनका निर्यात कर रहा है। कोविड महामारी से लड़ने के लिये दुनिया का सबसे बड़ा वैक्सीन कार्यक्रम सफलता पूर्वक चलाया गया है। दूसरी लहर के दौरान जिस प्रकार ऑक्सीजन की कमी महसूस की गयी थी, आज प्रत्येक बड़े सरकारी व निजी अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट लग चुके हैं, जिससे भविष्य में ऑक्सीजन की कमी महसूस न हो।

आज भारत की स्वास्थ्य व्यवस्था की आधारभूत संरचना निरन्तर मजबूत हो रही है। ६४१८० करोड़ रुपये की लागत से प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर स्वस्थ्य भारत योजना से देश के स्वास्थ्य के ढ़ाँचे को मजबूत किया जा रहा है। अब तक देश में १५ नये एम्स खोले जा चुके हैं। आजादी से २०१४ तक केवल ३८१ मेडिकल कॉलेज खुले थे, लेकिन गत ७ वर्षों में ही १८४ नये मेडिकल कॉलेज खुल चुके हैं। भारत को कुपोषण मुक्त करने के लिये अब पोषण २.० प्रारम्भ किया गया है। देश में पोलियो को लगभग समाप्त किया जा चुका है, जो कि एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।

आज भारत में निर्यात के मोर्चे पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है, जहाँ भारत ने वर्ष २०२०–२१ में २९२ अरब डॉलर का निर्यात किया था वहीं वर्ष २०२१–२२ में निर्यात का आँकड़ा बड़ी बढ़त के साथ ४१८ अरब डॉलर पर पहुँच गया है,

जो हमारे देश के लिये बड़ी एक उपलब्धि है।

आज देश कोविड जैसी भयानक महामारी से बाहर निकल रहा है, उसके पश्चात भी गत् दो वर्षों से देश की ८० करोड़ जनसंख्या को मुफत राशन देने का कार्य केन्द्र सरकार ने किया जिससे कोई भूखा न सोये, यह एक हमारे आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ता कदम है।

दशकों तक अपने भाग्य के भरोसे रहा, देश अब नई सोच सबका साथ–सबका विकास व सबके विश्वास के साथ प्रगति के एक नये पथ पर अग्रसर हो चुका है, और एक नया भारत बनने जा रहा है।

संदर्भ सूची:

१. वन इण्डिया डॉट कॉम ४ अप्रैल २०२२

२. इण्डिया टुडे फरवरी २०२२

३. आउटलुक फरवरी २०२२

४. प्रतियोगिता दर्पण फरवरी २०२२

५. इंण्डियन एक्सप्रैस २ फरवरी २०२२

६. द टाइम्स ऑफ इण्डिया ०१ फरवरी २०२२

७. द फाइनेंशियल एक्सप्रैस ०१ फरवरी २०२२

८. दैनिक जागरण २९ नवम्बर २०२१